PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Dil Apna Aur Preet Parai
Year: 1960

Song: Dil Apna Aur Preet Parai
Lyricist: Shailendra

दिल अपना और प्रीत पराई
किसने है ये रीत बनाई
आँधी में इक दीप जलाया
और पानी में आग लगाई
दिल अपना और प्रीत पराई
किसने है ये रीत बनाई
दिल अपना

है दर्द ऐसा कि सहना है मुश्किल
दुनियावालों से कहना है मुश्किल
घिर के आया है तूफ़ान ऐसा
बचके साहिल पे रहना है मुश्किल
घिर के आया है तूफ़ान ऐसा
बचके साहिल पे रहना है मुश्किल

दिल अपना और प्रीत पराई
किसने है ये रीत बनाई
आँधी में इक दीप जलाया
और पानी में आग लगाई
दिल अपना

दिल को सँभाला ना दामन बचाया
फैली जब आग तब होश आया
ग़म के मारे पुकारें किसे हम
हमसे बिछड़ा हमारा ही साया
ग़म के मारे पुकारें किसे हम
हमसे बिछड़ा हमारा ही साया

दिल अपना और प्रीत पराई
किसने है ये रीत बनाई
आँधी में इक दीप जलाया
और पानी में आग लगाई
दिल अपना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.